<u>चित्तौड़गढ़ के कृषकों का आफरी भ्रमण</u>

(दिनांक 15/02/2018)

दिनांक 15/02/18 को चित्तौड़गढ़ से "आत्मा" योजना के अंतर्गत 50 कृषकों के अन्तः राज्यीय कृषक भ्रमण दल ने श्री पन्नालाल पुर्बिया , सहायक कृषि अधिकारी एवं श्री चतुर्भुज शर्मा , कृषि पर्यवेक्षक के नेतृत्व में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण किया। भ्रमणकारी दल ने सर्वप्रथम संस्थान की उच्च तकनीक एवं प्रायोगिक पौधशाला का भ्रमण किया। जहां श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से, प्रभागाध्यक्ष, कृषि वानिकी एवं विस्तार ने "वन एवं पर्यावरण" से संबन्धित अपने संभाषण में वृक्षों की महता , उनसे होने वाले परोक्ष एवं प्रत्यक्ष लाभों की जानकारी दी तथा पोलीथीन से होने वाले दुष्प्रभाव की भी चर्चा की। इसके बाद भ्रमणकारी दल ने संस्थान की उच्च तकनीक पौधशाला का भ्रमण कर पौधशाला प्रबंधन संबंधी विभिन्न आयामों को देखा। श्री चौधरी ने मदरबेड , बेड, रूट ट्रेनर्स, एग्रोशेडनेट, कटिंग लगाना, कंपोस्टिंग, पोलिथीन कंटेनर ,मिश्रण, धुंध कक्ष इत्यादि की जानकारी दी। नर्सरी प्रभारी , श्री सादुलराम देवड़ा ने भी रूट ट्रेनर एवं अन्य नर्सरी संबंधी भ्रमणकारी दल की जिज्ञासा का समाधान किया। भ्रमणकारी दल ने नर्सरी परिसर स्थित औषधीय उद्यान का भ्रमण कर औषधीय पौधों का अवलोकन किया। श्री चौधरी ने दल को भ्रमण के दौरान औषधीय पौधों का अवलोकन कराया एवं उनके बारे में बताया। श्री देवड़ा ने भी औषधीय पौधों के बारे में बताया।

इसके पश्चात भ्रमणकारी दल ने संस्थान परिसर स्थित विस्तार एवं निर्वचन कैंद्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित विभिन्न शोध संबंधी सूचनाओं एवं सामग्री का अवलोकन किया। श्री चौधरी ने भ्रमणकारी दल को परिभ्रंषित पहाड़ियों का पुनर्वासन, टिब्बा स्थिरीकरण, जल प्लावित भूमि का पुनर्वासन , कृषि वानिकी मॉडल, लवण प्रभावित भूमि का पुनर्वासन, चरागाह विकास इत्यादि से संबन्धित जानकारी करायी । भ्रमणकारी दल को संस्थान द्वारा प्रकाशित प्रचार-प्रसार सामग्री भी उपलब्ध करायी गई।

शतावरी

TYPES OF RAJASTHAN

DOMINANT FOREST
TYPES OF RAJASTHA

SAND DUNE STABILIZATION THROUGH SURF